अतिरिक्त कपी बचा कर या दूसरे विभागों में काम दे दिया जाता है।

ऊनी कपड़ा

११५७. श्री रा० रा० मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों से कितना ऊनी कपड़ा आयात होता है ;

(ख) ऊनी कपड़े के आयात को घटाने के लिये क्या कोई उपाय किये जा रहे हैं; और

(ग) यदि हां तो उनके ब्यौरे क्या है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) १९५५–५६ तथा १९५६–५७ में क्रमशः १,५५,३०,००० रु० और १,१८,६०,००० रु० का ऊनी कपड़ा आयात किया गया।

(ख) और (ग) १ जुलाई १९५७ से ऊनी कपड़े के आयात पर रोक लगा दी गयी है।

मशीनी खिलौने का उद्योग

११५८ श्री रा० रा० मिश्र. क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) देश में मशीनी खिलौने बनाने के उद्योग को सरकार क्या सहायता दे रही है;

(ख) इस उद्योग द्वारा सरकारी सहायता से अब तक क्या प्रगति की गई है,

(ग) क्या इस सम्बन्ध में विदेशों से कोई विशेषज्ञ बुलाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उस पर कितना खर्च हुआ है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) तथा (ख) एक विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ७२]

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

बाट तथा माप की मीट्रिक प्रणाली

११५९. श्री रा० रा० मिश्र . क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) बाट तथा माप की मीट्रिक प्रणाली से जनता को क्या लाभ होंगे; और

(ख) क्या सरकार द्वारा जनता को इन लाभों को बताने के लिये कोई कदम उठाये गये हैं और यदि हां, तो वे क्या हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) (क) देश भर में एक से बाट और पैमाने होने के फायदे बखूबी जाहिर हैं। मीटर प्रणाली संसार भर में विख्यात है और स्वीकृत मानी जाती है। इसे समझ लेना और याद रखना आसान है। इसे अपनाने में हिसाब किताब करने में आसानी हो जायेगी और इस से विभिन्न क्षेत्रों में समय और मेहनत की बचत हुआ करेगी।

(ख) मीटर प्रणाली के फायदे सरकार के निम्न प्रकाशनों में समझाये गये हैं :—

१. "मेमोरेन्डम आन दि एडोप्शन आफ मीट्रिक सिस्टम इन इन्डिया" ले० श्री पीताम्बर पन्त

२. "दि मीट्रिक सिस्टम आफ वेट्स एण्ड मेजर्स"

—प्रकाशक पब्लिकेशन्स डिवीजन, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय।